अम्बे माँ ये किरपा आप की मेरे घर में माँ ज्योत जली

अम्बे माँ ये किरपा आप की मेरे घर में माँ ज्योत जली,
कितनी मन में थी चा दर्श की मेरे घर में माँ ज्योत जली,
अम्बे माँ ये किरपा आप की मेरे घर में माँ ज्योत जली

तेरी करुणा की क्या माँ मैं बात करू,
सब के दुखड़े हरे मैं भी विनती करू,
चरणों में शरण मैंने ली मेरे घर में ज्योत जली,
अम्बे माँ ये किरपा आप की मेरे घर में माँ ज्योत जली

सारा परिवार तुझको माँ नमन करे,
तेरी किरपा जो हो झोली सब की भरे,
सारा परिवार तुझको माँ नमन करे,
रेहमतो की माँ बरसात की,मेरे घर में ज्योत जली,
अम्बे माँ ये किरपा आप की मेरे घर में माँ ज्योत जली

क्या निराली छवि मन को निराली लगे,
मैं माँ क्या करू मेरा जी न भरे,
क्या निराली छवि मन को प्यारी लगे देके दर्शन दी ज़िंदगी,
मेरे घर में ज्योत जली,
अम्बे माँ ये किरपा आप की मेरे घर में माँ ज्योत जली

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/10325/title/ambe-maa-ye-kirpa-aap-ki-mere-ghar-me-maa-jyot-jli

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |